Naidunia (Indore), 30th December 2024, Naidunia City, Page-I

स्टार्ट-अप की राह आसान कर रहे इनक्यूबेशन सेंटर

एक साल में 100 से अधिक कंपनियां शुरू

मरत मानघन्या • नईदुनिया

इंदौर: इंदौर में तेजी से नए स्टार्ट-अप खुल रहे हैं। कई युवा स्टार्टअप से न सिर्फ जुड़ रहे हैं, बल्कि सफल भी हैं। एक ओर जहां युवा पढ़ाई के बाद या नौकरी के दौरान स्टार्ट-अप की ओर कदम बढ़ा रहे हैं तो शहर के शैक्षणिक संस्थानों में बने इनक्यूबेशन सेंटर भी स्टार्ट-अप की राह आसान कर रहे हैं। यहां पढ़ाई के दौरान ही विद्यार्थी अपने इनोवेटिव आइडिया के दम पर नए स्टार्ट-अप शुरू कर रहे हैं और उन्हें अच्छी फंडिंग भी मिल रही है। ये स्टार्ट-अप आइटी के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं। पिछले कुछ सालों में इनक्यूबेशन सेंटर में खुलने वाले स्टार्ट-अप का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आइआइटी), एसजीएसआइटीएस और डीएवीवी के आइइटी में पिछले कई सालों से इनक्यूबेशन सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इससे जुड़कर विद्यार्थी अपने आइडिया पर काम कर रहे हैं।

एसजीएसआइटीएस में क्लीन एनर्जी से लेकर आइटी सर्विस पर काम : एसजीएसआइटीएस के इनक्यूबेशन सेंटर में सेंटर फार इनोवेशन, डिजाइन एंड इनक्यूबेशन में स्टार्ट-अप शुरू करने और इनोवेशन पर काम करने के लिए संसाधन जुटाए गए हैं। स्टार्ट-अप शुरू करने के बाद विद्यार्थियों को यहां कार्यालय शुरू करने के लिए स्थान भी दिया जाता है। कुछ सालों मे यहां नए स्टार्ट-अप की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साल 2024 में सेंटर से कई स्टार्ट-अप शुरू हुए हैं। सीआइडीआइ के सीइओ अपूर्व गायकवाड़ के अनुसार, स्टार्ट-अप के लिए इकोसिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए सुविधाएं जुटाई जा रही हैं। जागरूकता शिविर चलाए जा रहे हैं और आसपास के इंस्टिट्यूट और स्कूल के बच्चों के आइडिया को प्रमोट करने के लिए सीआइडीआइ की मदद ली जा रही है। हाल ही में डिजिटल मार्केटिंग वर्कशाप भी की गई थी। समय-समय पर इंडस्ट्री मीट भी आयोजित की जाती है।

2024 में इस सेक्टरों में मिला रुझान

• इंटरनेट आफ थिंग्स • साफ्टवेयर • इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी • शिक्षा प्रौद्योगिकी • कृत्रिम बुद्धिमत्ता/विश्लेषण • एंटरप्राइज साल्यूशंस • स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी • वित्तीय प्रौद्योगिकी आदि • बायोटेक • एड-टेक • इलेक्ट्रानिक एंड बायोमेडिकल • क्लीन एनर्जी • वेस्ट मैनेजमेंट • टेक्सटाइल

इतने स्टार्ट-अप शुरू हुए

37 आइआइटी इंदौर

31 एसजीएस आइटीएस

42 आईईटी

आइआइटी में मजबूत इकोसिस्टम विकसित

आइआइटी इंदौर में बना इनक्यूबेशन सेंटर सफलता की नई इबारत लिख रहा है। सेंटर की मदद से कुछ सालों में विद्यार्थी अपने स्टार्ट-अप शुरू करने में सफल हुए हैं। साल 2024 में इनक्यूबेशन सेंटर से 37 नए स्टार्ट-अप शुरू हुए हैं। इसमें इलेक्ट्रानिक्स से लेकर एजुकेशन व हेल्थ से जुड़े स्टार्टअप शामिल हैं। आइआइटी के अधिकारियों के अनुसार, सेंटर में मजबूत इकोसिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें पार्टनर्स, एंजेल निवेशकों और विशेषज्ञों की मदद से मेंटरशिप, मार्गदर्शन और फंडिंग के अवसर प्रदान किए जाते हैं। स्टार्टअप की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें सरकारी और निजी फंडिंग योजनाओं से जोड़ा जाता है। साथ ही, इनक्यूबेशन सेंटर में स्थान उपलब्ध कराते हैं, जहां उन्हें स्टार्ट-अप चलाने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं, जैसे कार्यालय स्थान, इंटरनेट, तकनीकी सहायता और नेटवर्किंग के अवसर मिल पाते हैं। आइआइटी में भविष्य को देखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीकों व उपकरणों, जैसे 3डी प्रिंटर और पीसीबी मशीन जैसी उन्नत मशीनें उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो उनके उत्पाद विकास, प्रोटोटाइप निर्माण और नवाचार के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

अब मिल रही है फंडिंग

डीएवीवी के आइईटी विभाग के इनक्यूबेशन की सेंटर की शुरुआत साल 2022 में हुई थी। तब एक साल में सिर्फ सात ही स्टार्ट-अप शुरू हुए थे। साल 2024 में इनकी संख्या पांच गुना से भी अधिक बढ़ चुकी है। खास बात यह है कि स्टार्ट-अप के लिए ग्रांट भी मिल रही है। साथ ही तीन स्टार्ट-अप को फंडिंग मिली है। 12 को फंड मिलने की प्रक्रिया चल रही है।

सेंटर के इनक्यूबेशन एसोसिएट शांतनु वाइकर ने बताया कि इस साल जो स्टार्टअप शुरू हुए हैं, उनमें आइटी, फिजिकल प्रोडक्ट से लेकर ड्रोन टेक्नोलजी से जुड़े प्रोडक्ट तक शामिल हैं। भविष्य में स्टार्टअप की संभावनाएं और बढ़े इसके लिए वर्कशाप और ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जाता है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स पर भी फोकस किया जा रहा है।